❶
ओ३म्
कृण्वन्तो विश्वमार्यम्
साप्ताहिक
आर्य सन्देश
दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का मुखपत्र

स नो वसून्याभर।।

– अथर्ववेद 6/63/4

हे परमेश्वर हमें धन-धान्य प्राप्त करावें।

O Lord ! Bestow upon us wealth & Prospevity.

वर्ष 41, अंक 33 एक प्रति : 5 रुपये
सोमवार 4 जून, 2018 से रविवार 10 जून, 2018
विक्रमी सम्वत् 2075 सृष्टि सम्वत् 1960853119
दयानन्दाब्द : 195 वार्षिक शुल्क : 250 रुपये पृष्ठ 8
फैक्स : 23365959 ई-मेल : aryasabha@yahoo.com
इंटरनेट पर पढ़ें – www.thearyasamaj.org/aryasandesh

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली : 25-28 अक्टूबर, 2018 प्रचार बैठकों का दौर जारी

नागपुर, रोहतक, कुरुक्षेत्र, कानपुर में कार्यकर्ताओं की बैठकें सम्पन्न

प्रान्तीय संयोजक समिति एवं विभिन्न कार्य समितियों की बैठकों का दौर आरम्भ

समस्त आर्यसमाजों, गुरुकुलों, आर्य शिक्षण संस्थानों, आर्य वीर, वीरांगना दल एवं सहयोगी संस्थाओं के अधिकारी अधिकाधिक संख्या में भाग लें

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018 दिल्ली की तैयारी में उन सभी आर्य सन्देश के पाठकों, आर्य समाज के सदस्यों और जो आर्य समाज के कार्यों के प्रशंसक हैं, से निवेदन है कि सभी महासम्मेलन की तैयारियों हेतु आम जनों को प्रेरित करना प्रारम्भ कर दें। साथ ही अपने प्रान्त की प्रतिनिधि सभाओं की बैठकों के लिए भी अधिकाधिक लोगों को सम्मिलित होने के लिए कहें जिससे महासम्मेलन की हर स्तर से तैयारी पूर्ण हो सके। मध्य भारतीय आर्य प्रतिनिधि सभा, भोपाल की बैठक 10 जून को इन्दौर में आयोजित की जा रही है। सम्मेलन स्थल उत्तर पश्चिमी दिल्ली में होने के कारण इस क्षेत्र की आर्यसमाजों एवं आर्य संस्थाओं की विशेष अत्यावश्यक बैठक 17 जून, 2018 को प्रातः 10:30 बजे से आर्यसमाज सैक्टर- 7, रोहिणी, दिल्ली- 85 में आयोजित की जा रही है। महाराष्ट्र और पंजाब सभा के अन्तर्गत प्रान्तीय बैठक यथाशीघ्र आयोजित होंगी। समस्त आर्यसमाजों से निवेदन है कि अभी से तैयारियां आरम्भ करें और इन तिथियों में अपने यहां कोई भी आयोजन न रखकर सम्ममेलन में इष्टमित्रों सहित सम्मिलित हों। – *संयोजक*

कुरुक्षेत्र की बैठक मे आर्यजनों का महासम्मेलन के प्रति उत्साह देखने प्रेरणादायी रहा।

उत्तर पश्चिमी दिल्ली की आर्यसमाजों की बैठक

17 जून, 2018 प्रातः 10:30 बजे से
स्थान : आर्यसमाज रोहिणी सै.-7, दिल्ली-110085
निवेदक : सुरेन्द्र आर्य, प्रधान, उ.प. दि वेद प्रचार मंडल – नरेशपाल आर्य, प्रधान

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली : 25-28 अक्टूबर, 2018
आर्यजनों के लिए व्यवस्थाएं, सुविधाएं एवं मुख्य आकर्षण
देखें पृष्ठ 4-5 पर

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के तत्त्वावधान में

भारत की राजधानी दिल्ली में फिर से जुड़ेगा विश्वभर के आर्यों का महाकुम्भ

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018 दिल्ली

25, 26, 27, 28 अक्टूबर, 2018

विश्व के सभी आर्यजनों से अपील

अभी से महासम्मेलन की तैयारियों में जुट जाएं आर्यजन। इन तिथियों में कोई भी आर्य समाज अपना कार्यक्रम आयोजित न करें। आर्यसमाजें अपने कार्यक्रमों हेतु प्रकाशित पत्रक में आर्य महासम्मेलन की जानकारी अवश्य करें। जो युवा कार्यकर्ता 23 अक्टूबर से 29 अक्टूबर 2018 तक सम्मेलन के आयोजन में समय दे सकें, वे जल्द से जल्द सूचित करें। आर्यजन अपने महासम्मेलन सम्बन्धी पत्र कम से कम तीन प्रतियों में भेजें। इनमें मुख्यतः तीन समितियों के संयोजकों- परिवहन, बाजार और आवास के नाम अलग-अलग सम्बोधित होने चाहिए।

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन
25 से 28 अक्टूबर 2018
दिल्ली
कृण्वन्तो विश्वमार्यम्

विश्व के सभी आर्यजन आर्य महासम्मेलन में सादर आमन्त्रित हैं। समस्त पाठकों, आर्यसमाज के अधिकारियों व सदस्यों से अपील है कि महासम्मेलन की सूचना अपने सम्पर्क में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति तक अवश्य पहुंचाएं।

महासम्मेलन के सम्बन्ध में अधिक जानकारी के लिए निम्न पते पर पत्र व्यवहार करें

संयोजक, अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 2018
15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-1; दूरभाष : 011-23360150, 23365959; 9540029044
Email : aryasabha@yahoo.com; website www.aryamahasammelan.org; www.thearyasamaj.org

वेद-स्वाध्याय

यज्ञ परायण बुद्धि की महिमा

आ वो धियं यज्ञियां वर्तऊतये देंवा देवीं यजतां यज्ञियामिह।
सा नो दुहीयद् यवसेव गत्वी सहस्रधारा पयसा मही गौः। – ऋ. 10/101/9
ऋषिः **बुधः सौम्यः**।। देवता – **विश्वेदेवा ऋत्विजो वा**।। छन्दः **विराड्जगती**।।

शब्दार्थ- देवाः = हे देवो! मैं **वः** = तुम्हारी **दैवीम्** = दिव्य **यजताम्** = पूज्य **यज्ञियाम** = यज्ञपरायण **यज्ञियां धियम्** = यज्ञिय बुद्धि को, यज्ञ-भावना को, **ऊतये** = अपने रक्षण-पालन के लिए **इह** = अपने जीवन में **आवर्ते** = फिर-फिर लाता हूं, स्थापित करना चाहता हूं। **सा** = वह यज्ञिय बुद्धि **यवसा गत्वी इव** = जैसे जौ के खेत में जाकर आई हुई **सहस्रधारा मही गौः** = दूध की सहस्रों धारा देने वाली बड़ी भारी गौ **पयसा** = हमें दूध से भर देती है वैसे **नः** = हमें **दुहीयत्** =प्रपूरण कर देवे, हमारी सब कामनाओं को पूरण कर देवे।

विनय- हे देवो! मैंने तुम्हारी कामधेनु को जान लिया है। मैंने देख लिया है कि सचमुच इस धेनु से मैं अपनी सब कामनाएं दुह सकता हूं। वह कामधेनु 'यज्ञिया धीः' है, यज्ञ-परायणा बुद्धि है। इस यज्ञबुद्धि को पाकर-इस दिव्य, सर्वपूजित यज्ञपरायणा बुद्धि को पाकर-मैं क्या नहीं पा सकता। क्या कृष्ण भगवान् ने भी अर्जुन को नहीं सुनाया था कि प्रचापति ने हम प्रजाओं के साथ ही यज्ञ-भावना को पैदा करके हमें कह दिया है **'अनेन प्रसविष्यध्वमेष वोऽस्त्विष्टकामधुक्'**। हममें यज्ञ-भावना पैदा करने वाले उस प्रजापति परमदेव का यह नाद मैं तो आज भी सुन रहा हूं। "इस यज्ञबुद्धि द्वारा तुम सब-कुछ उत्पन्न करो, यह तुम्हारी सब इष्ट कामनाओं को दुहनेवाली हो", परन्तु कठिनाई यह है कि यज्ञभावना मुझमें स्थिर नहीं रहती, बहुत बार स्वार्थभावना इसे दबा देती है, इसलिए मैं इसे फिर-फिर अपने अन्दर लाता हूं, यज्ञ के सर्वहितकारी, स्वार्थसंहारी, संगमनकारी स्वरुप को बार-बार हृदय में स्थापित करता हूं। इस भाव सतत चिन्तन व जप करता हूं। सचमुच इसके बिना हम मनुष्यों का रक्षण व पालन नहीं हो सकता। यही देखकर हम लोग इस धेनु को अपने अन्दर लाना चाहते हैं। हमारी सांसारिकता, स्वार्थबुद्धि बहुत बार इसे बिदकाकर भगा देती हे, तब हम सर्वहित-चिन्तन द्वारा इसे फिर लाते रहते हैं। हे देवो! अब तो यह 'यज्ञिया धीः'-रूपी धेनु हममे स्थिर हो जाए और जौ के हरे खेत खाकर आई बड़ी गौ की तरह हमें अपने दूध की सहस्रों धाराओं से परिपूर्ण कर देवे, परिपूर्ण कर देवे।

-: साभार :- **वैदिक विनय**

वैदिक विनय : यह पुस्तक वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। अपने ज्ञानवर्धन के लिए आज ही अपना आदेश मो. नं. 9540040339 पर प्रेषित करें।

सम्पादकीय

क्या अब रोम से चलेगी भारत की सत्ता

....आज वह लोग भी चुप्पी साधे बैठे हैं, जो धर्म को राजनीति से दूर रखने की वकालत करते हैं वह भी मुंह में गुड़ दबाकर बैठ गये जिन्हें भारत माता की जय और वन्देमातरम कहने मात्र से देश दो फाड़ होता दिखाई देता है। क्यों आज राष्ट्रगान तक पर शोर मचाने वाले राष्ट्रीय विचार को देश के लोकतांत्रिक ताने-बाने को खतरा मानने वाले बुद्धिजीवी इस चिठ्ठी से किनारा करते नजर आ रहे है?.....

देश में लोकसभा चुनाव रहे हों या किसी राज्य के विधानसभा चुनाव, दिल्ली की जामा मस्जिद के शाही इमाम के हर एक चुनाव में किसी न किसी पार्टी को वोट देने के फतवों से सभी लोग वाकिफ होंगे। उन्हीं की तर्ज पर अब ऐसी दुकानें ईसाई मत को मानने वाले चर्चो के पादरियों ने भी खोल ली हैं। लोकसभा चुनाव 2019 से पहले सत्तारूढ़ दल के खिलाफ अभियान चलाने की तैयारी में ईसाई समुदाय मैदान में उतर आये हैं। इस बार दिल्ली के कैथोलिक चर्च के मुख्य पादरी अनिल कोटो ने दिल्ली के दूसरे पादरियों को चिट्ठी लिखी है इसमें कहा गया है कि देश का लोकतंत्र खतरे में है, जिसका बचना बेहद जरूरी है। ऐसे में 2019 में होनेवाले आम चुनावों के लिए भारत में रहने वाले कैथोलिकों को प्रार्थना करनी चाहिए।

कैथोलिक चर्च के मुख्य पादरी अनिल कोटो के इस बयान और कारनामे से साफ है कि 2019 में होने वाले आम चुनाव के लिए पादरी किसी एक पक्ष में लामबंद हो रहे हैं। जिसे देखकर लगता है कि ईसाई पादरी अब जीसस की प्रार्थना छोड़कर राजनितिक दलों की भक्ति में लीन हो रहे हैं। इससे पहले गुजरात चुनाव में भी चर्च ने सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का सीधा प्रयास किया था। गांधीनगर के आर्च बिशप (प्रधान पादरी) थॉमस मैकवान ने चिट्ठी लिखकर ईसाई समुदाय के लोगों से अपील की थी कि वे गुजरात चुनाव में 'राष्ट्रवादी ताकतों' को हराने के लिए मतदान करें। यह स्पष्ट तौर पर सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय एवं चुनाव आयोग की आचार संहिता का उल्लंघन किया गया था।

ये एक दो प्रयास नहीं है नागालैण्ड में सम्पन्न हुए चुनाव में भी बैपटिस्ट चर्च की तरफ से कहा गया था कि जीसस के अनुयायी पैसे और विकास की बात के नाम पर ईसाई सिद्धांतों और श्रद्धा को उन लोगों के हाथों में न सौंपे जो यीशु मसीह के दिल को घायल करने की फिराक में रहते हैं। राज्य में बैपटिस्ट चर्चो की सर्वोच्च संस्था नागालैंड बैपटिस्ट चर्च परिषद् ने नगालैंड की सभी पार्टियों के अध्यक्षों के नाम यह एक खुला खत लिखा था। किन्तु इस बार तो राजधानी दिल्ली में बैठे प्रधान पादरी कोटो अपनी इस चिट्ठी लिख रहे कि सिर्फ पादरी ही नहीं बल्कि हर क्रिश्चियन संगठन और उसकी ओर झुकाव रखने वाले सगंठन और धार्मिक संस्थाएें भी उनके इस अभियान में उनका साथ दें, कोटो लिख रहे है कि हमें अगले चुनाव को ध्यान में रखते हुए हर शुक्रवार को इस अभियान के तहत काम करना चाहिए।

एक तरफ तो इस चिठ्ठी में संवेधानिक संस्थाओ को बचाने की अपील की जा रही है। लेकिन दूसरी तरफ ही भारत के संविधान को धता बताया जा रहा है क्योंकि सर्वोच्च न्यायालय के आदेशनुसार कोई भी धर्म, जाति, समुदाय या भाषा इत्यादि के आधार पर वोट नहीं माँग सकता। यहाँ तक कि धार्मिक नेता भी अपने समुदाय को किसी उम्मीदवार या पार्टी के पक्ष में मतदान करने के लिए नहीं कह सकता। किन्तु, जिनकी आस्थाएं भारत के संविधान की जगह राजनितिक दलों में हों, उन्हें संविधान या संवैधानिक संस्थाओं के निर्देशों की चिंता नहीं होती बल्कि, उन्हें उनकी चिंता अधिक रहती है, जो उनके स्वार्थ एवं धार्मिक एजेंडे को पूरा करें।

बताया जाता है अंग्रेजों ने अपने शासन के दौरान देश में सभी जगह इसाई मिशनरियों को खूब प्रोत्साहन दिया गया इसका असर यह हुआ कि यहां चर्च ने बड़ी तेजी से अपने पांव पसारे परन्तु पूरी ताकत झोंकने के बाद भी पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों को छोड़कर पूरी तरह देश को क्रॉस की छाया के नीचे नहीं ला पाई। ऐसे में जब इनके धार्मिक स्वार्थो की पूर्ति नहीं हो रही है तब ये अपने राजनितिक स्वार्थ लेकर मैदान में उतर रहे है। शायद इसी कारण सवाल खड़ें हो रहें है कि जब हिन्दू धर्माचार्यो एवं संगठनों के सामान्य से बयान पर बखेड़ा खड़ा करने वाले मीडिया घराने, पत्रकार, सामाजिक संगठन एवं राजनीतिक विश्लेषक चर्च के सांप्रदायिक एजेंडे पर क्यों मौन है? क्या इन लोगों को कैथोलिक चर्च के मुख्य पादरी अनिल कोटो की इस चिट्ठी में कोई खोट नजर नहीं आ रहा है। जबकि यह सीधी तरह समाज को बाँटने का कार्य है?

आज वह लोग भी चुप्पी साधे बैठे हैं, जो धर्म को राजनीति से दूर रखने की वकालत करते हैं वह भी मुंह में गुड़ दबाकर बैठ गये जिन्हें भारत माता की जय और वन्देमातरम कहने मात्र से देश दो फाड़ होता दिखाई देता है। क्यों आज राष्ट्रगान तक पर शोर मचाने वाले राष्ट्रीय विचार को देश के लोकतांत्रिक ताने-बाने को खतरा मानने वाले बुद्धिजीवी इस चिठ्ठी से किनारा करते नजर आ रहे है? शायद अंतर केवल इतना है कि अगर इस तरह काम मठ-मंदिर करें तो उसका हल्ला मच जाता है परन्तु चर्च की अलोकतांत्रिक राजनीति उसकी घंटियों के शोर में दब जाती है?

सब जानते है यह देश न वेटिकन से चलेगा न नागपुर से न ही किसी मठ से और न ही किसी मस्जिद से यह देश संविधान से चलेगा यदि कोई इसे अपनी मानसिकता से चलाना चाहता तो उसके लिए इस देश में कोई स्थान नहीं है। जिस तरह एक वर्ष पहले ही लोकतंत्र को खतरे में बताकर देश के क्रिश्चियनों से एकजुट होने और चुनावी प्रार्थना अभियान शुरू करने की अपील की जा रही है इससे अब चर्च का नाम सुनते ही ईसा मसीह की मन की गहराई तक उतर जाने वाली शांति के बजाय लोगों के जेहन में यही बात आये कि यह कोई चुनावी प्रार्थना हो रही होगी, किसके पक्ष में मतदान करना और किसका बहिष्कार इसका फैसला हो रहा होगा या फिर चर्च में इक्कठा लोग सरकार के खिलाफ कोई अलोकतांत्रिक फतवा जारी कर रहे होंगे।- ***सम्पादक***

वैदिक शगुन लिफाफे

महर्षि दयानन्द के चित्र एवं वेदमन्त्रों सहित सुन्दर डिजाइनों में

सिक्के वाले	बिना सिक्के
मात्र 500/-रु. सैंकड़ा	मात्र 300/-रु. सैंकड़ा

प्राप्ति स्थान : -दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली
दूरभाष : 011-23360150, 09540040339

ओ३म्

भारत में फैले सम्प्रदायों की निष्पक्ष व तार्किक समीक्षा के लिए उत्तम कागज़, मनमोहक जिल्द एवं सुन्दर आकर्षक मुद्रण
(द्वितीय संस्करण से मिलान कर शुद्ध प्रामाणिक संस्करण)
सत्य के प्रचारार्थ

सत्यार्थ प्रकाश

सत्य के प्रचारार्थ

• प्रचार संस्करण (अजिल्द) 23×36÷16	मुद्रित मूल्य 50 रु.	प्रचारार्थ 30 रु.	प्रचारार्थ मूल्य पर कोई कमीशन नहीं
• विशेष संस्करण (सजिल्द) 23×36÷16	मुद्रित मूल्य 80 रु.	प्रचारार्थ 50 रु.	
• स्थूलाक्षर सजिल्द 20×30÷8	मुद्रित मूल्य 150 रु.		प्रत्येक प्रति पर 20% कमीशन

10 या 10 से अधिक प्रतियाँ लेने पर विशेष अतिरिक्त कमीशन

कृपया, एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें और महर्षि दयानन्द की अनुपम कृति **सत्यार्थ प्रकाश** के प्रचार प्रसार में सहभागी बनें

आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट
427, मन्दिर वाली गली, नया बांस, दिल्ली-6
Ph. :011-43781191, 09650622778
E-mail : aspt.india@gmail.com

धर्म परिवर्तन को बढ़ावा देती सरकारी प्रकार सामग्री

...केंद्र सरकार ने मुस्लिम लड़कियों को 51 हजार रूपये शादी का शगुन देने का फैसला किया है। देश में मुस्लिम लड़कियों को उच्च शिक्षा के मकसद से प्रोत्साहित करने के लिए केंद्र सरकार उन मुस्लिम लड़कियों को 51,000 रुपए की राशि बतौर 'शादी शगुन' देगी जो स्नातक की पढ़ाई पूरी करेंगी। इसके अलावा यह भी फैसला किया गया कि अब नौवीं और 10वीं कक्षा में पढ़ाई करने वाली मुस्लिम बच्चियों को 10 हजार रुपए की राशि प्रदान की जाएगी।....

दिक्कत तब नहीं होती जब सरकार किसी गरीब की मदद के लिए कार्य करती है बल्कि दिक्कत तब पैदा होती है जब सरकार जनता से उनका धर्म-मजहब पूछ-पूछकर मदद का कार्य करती है। बरसों पहले इसे राजनितिक हथकंडा कहा जाता था लेकिन अब इसे राजनितिक चलन मान लिया गया है। दरअसल गरीब तो गरीब होता है यदि उसमें कोई धर्म-मजहब, मत-सम्प्रदाय का भेद कर उसकी सहायता करता है तो यहां उसकी मानसिकता पर सवाल जरूर खड़ा होता है। ऐसा ही एक सवाल हाल ही में राष्ट्र निर्माण पार्टी के अध्यक्ष ठाकुर विक्रम सिंह ने मोदी सरकार की प्रचार सामग्री पर उठाया है। वह कहते हैं कि आईटीओ के पास से लेकर दिल्ली के हर जगह ऐसी सूचना के बोर्ड लगे हुये हैं। इन बोर्डो में दिखाया गया है कि मुस्लिम आबादी की हैसियत बढ़ाने के लिए, मुसलमान युवकों को रोजगार देने के लिए मोदी सरकार कितनी कटिबद्ध है, मुस्लिम कामगारों को ब्याज मुक्त कर्ज दिया जा रहा है, आई.ए.एस. की तैयारी करने वाले मुस्लिम छात्रों को एक-एक लाख रूपये दिये जा रहे हैं, वह भी अनुदान स्वरूप। इस प्रकार यदि आप मुस्लिम हैं तो आई. ए.एस. की तैयारी के नाम पर भारत सरकार से एक लाख रूपये हड़प सकते हैं।

राष्ट्र निर्माण पार्टी के अनुसार इस विज्ञापन से प्रेरित होकर कुछ स्कूल-कॉलेजों के लड़के-लड़कियां अपना धर्म परिवर्तन कर रहे हैं। उनसे पूछने पर उनका तर्क था कि हमें धर्मपरिवर्तन कर मुस्लिम या अल्पसंख्यक बनने से व्यापार, कारोबार के लिए मुफ्त में बिना ब्याज के लोन मिल जाएगा अथवा आई.ए.एस. की पढ़ाई करते हैं तो 1 लाख रूपए का अनुदान मोदी सरकार द्वारा मुफ्त मिलेगा। हिन्दू बने रहने से तो हमें बस सरकार की गालियां, पुलिस की लाठियां व नौकरियों के लिए धक्के खाने के सिवाए कुछ नहीं मिलना है।

असल में गरीबी को अनदेखी कर मजहबी रूप से सहायता का ये कथित विकास कार्य कोई नया नहीं है। बल्कि अलग-अलग सरकारों द्वारा ये कार्य व्यापक रूप से होता आया है। साल 2013 उत्तर प्रदेश में जब सपा सरकार थी उस समय भी यह एकतरफा न्याय देखने को मिला था। तब खुद को समाजवादी कहने वाली अखिलेश सरकार ने यह साफ कर दिया था कि मुस्लिम लड़कियों की तरह निर्धन हिन्दू लड़कियों को अनुदान देने की कोई योजना उनके पास नहीं हैं। ज्ञात हो कि समाजवादी सरकार में ''हमारी बेटी उसका कल'' योजना के तहत मुस्लिम लड़कियों को तीस हजार रुपये का अनुदान उच्च शिक्षा के तहत दिया जा रहा था जबकि मुस्लिम लड़कियों की तरह निर्धन हिन्दू या अन्य वर्ग की लड़कियों को अनुदान देने की कोई योजना उनके खाते में नहीं थी।

इसी के देखा-देखी उसी दौरान कर्नाटक के तत्कालीन मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने मुस्लिम समुदाय के लिए कई योजनाओं की घोषणा की थी जिनमें मुस्लिम लड़कियों के विवाह में 50,000 रुपये का अनुदान देने की ''शादी भाग्य'' जैसी योजना इन्हीं में से एक थी। बात सिर्फ शादी तक ही सीमित नहीं थी बल्कि राजनीति का तुष्टीकरण देखिये कि नौवीं और 10वीं कक्षा में पढ़ाई करने वाली मुस्लिम बच्चियों को 10 हजार रुपये की राशि प्रदान करने के साथ 11वीं और 12वीं कक्षा में पढ़ाई करने वाली मुस्लिम लड़कियों को 12 हजार रुपये की छात्रवृत्ति सरकार दे रही थी।

एक तरफ कहा जाता है बेटियां तो सबकी सांझी होती हैं। चाहे उसमें गरीब दलित या कथित उच्च वर्ग की बेटी हो या फिर किसी गरीब मुस्लिम वर्ग की। लेकिन उसी दौरान राजस्थान में अशोक गहलोत ने चुनाव नजदीक देखते हुए मुस्लिम लडकियों को स्कूटी देने का वादा कर दिया था। यही नहीं 2017 में सत्ता में आने के बाद अल्पसंख्यकों के कल्याण के नाम पर यूपी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ''सद्भावना मंडप'' नाम से योजना शुरू की जिसमें मुस्लिमों में लड़के वालों की तरफ से लड़की वालों को दी जाने वाली मेहर की रकम उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वहन करने की घोषणा की थी।

अब इस कड़ी में केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार अल्पसंख्यकों के नाम पर मुस्लिमों को दिल खोलकर बैंकों से लोन दिला कर आर्थिक तौर पर मजबूती देने की तैयारी में है। इसके लिए जिलों में खास हिदायत दी जा रही है। रमजान के महीने में मस्जिदों में डिस्प्ले लगाकर नमाजियों को जिले के अधिकारी इसकी जानकारी दे रहे हैं। मुस्लिमों को लोन हासिल करने के लिए मैसेज भी भेजने का प्लान तैयार किया गया है। मुस्लिम महिलाओं को ई-रिक्शा के लिए आसानी से लोन देने की भी योजना भी इसी राजनीति का हिस्सा है।

लोगों का मानना है कि उपचुनावों में लगातार हार, बलात्कार की बढ़ती घटनाओं और दलितों पर हमलों की खबरों के बीच मोदी सरकार की छवि को खासा धब्बा लगा है। इस सबसे मोदी सरकार अपने कार्यकाल के आखिरी साल में ऐसा दिखाना चाहती है कि उसने अपने शासन में सिर्फ गायों की रक्षा नहीं की, बल्कि उसे अल्पसंख्यक मुस्लिमों की भी चिंता है।

केंद्र सरकार ने मुस्लिम लड़कियों को 51 हजार रूपये शादी का शगुन देने का फैसला किया है। देश में मुस्लिम लड़कियों को उच्च शिक्षा के मकसद से प्रोत्साहित करने के लिए केंद्र सरकार उन मुस्लिम लड़कियों को 51,000 रुपए की राशि बतौर 'शादी शगुन' देगी जो स्नातक की पढ़ाई पूरी करेंगी। इसके अलावा यह भी फैसला किया गया कि अब नौवी और 10वीं कक्षा में पढ़ाई करने वाली मुस्लिम बच्चियों को 10 हजार रुपए की राशि प्रदान की जाएगी। दरअसल, केंद्र सरकार 2019 में फतह हासिल करने के लिए हर संभव कोशिश कर रही है। वह अल्प संख्यकों को साधने में भी कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती। लेकिन वह इसमें भूल रही है कि इस तरह उनका 'सबका साथ सबके विकास' का नारा धूमिल हो रहा है। क्योंकि गरीबी धर्म-मजहब को ध्यान में रखकर किसी के घर नहीं घुसती, लोकतंत्र के अस्तित्व और विकास के लिए यह जरूरी है कि लड़ाई गरीबी, अशिक्षा, बीमारी और पिछड़ेपन के आधार पर लड़ी जाये न कि धार्मिक आधार पर। देश की गरीबी और कंगाली का समाधान धार्मिक रूप से करने के बजाय सामाजिक रूप से किया जाये। सरकार को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

- राजीव चौधरी

क्रान्तिकारियों की कथा — आंधियां चलती रहीं, आशियां बनते रहे

पुरानी दास्तान है। सन् 1930 की, जब भारत में अंग्रेज़ी राज था और देश की आज़ादी की ख़ातिर क्रान्ति के दीवाने मौत को गले लगा रहे थे। उस ज़माने में रामाधीन निगम यू.पी. में आर. एस.पी. आई. (रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी आफ़ इण्डिया) के संचालक थे, और सी. पी. (वर्तमान मध्यप्रदेश) के चरखारी नरेश तन,मन,धन से उनके दल की सेवा गुप्त रूप से कर रहे थे।

चरखारी नरेश के आग्रह पर रामाधीन निगम ने लखनऊ शहर में बम बनाने के दो छोटे कारखाने स्थापित किये। पहला 1930 की बरसात के दिनों में हुसेनाबाद में, और दूसरा जाड़ों में कश्मीरी मुहल्ले में। दोनों ही मकान किराये पर लिए गए थे। मुस्लिम बस्तियों के ठीक बीचों-बीच।

इन मकानों में दल के सदस्य मुस्लिम वेशभूषा में रहने भी लगे थे, जिससे मुहल्ले वाले उनपर किसी प्रकार का सन्देह न कर सकें। बम बनाने की समस्त सामग्री, कारतूस, रिवाल्वर, पिस्तौल, साइक्लोस्टाइल मशीन-सभी कुछ तो वहां उपलब्ध था। उनका इरादा था प्रान्त में अंग्रेज़ों का चुन-चुनकर सफ़ाया करके शासन की बागडोर अपने हाथों में ले लेने का।

उस जमाने में संयुक्त प्रान्त (वर्तमान उत्तर प्रदेश) गुप्तचर विभाग का प्रधान कार्यालय इलाहाबाद में था और लखनऊ में ग्रुप अफ़सर की हैसियत से तैनात थे सी.आई.डी. इंस्पेक्टर अहमद हुसेन ख़ाँ। लखनऊ के अलावा उनके अधीन बाराबंकी, रायबरेली, सीतापुर, हरदोई ज़िले भी थे। इन पाँचों ज़िलों की राजनीतिक गतिविधियों का लेखा सरकार तक पहुँचाने की ज़िम्मेदारी उन्हीं के कंधों पर थी। सभी दलों में उन्होंने अपने मुख़बिर फिट कर लिए थे।

हुसेनाबाद वाले मकान के पास ही अहमद हुसेन के श्वसुर रहा करते थे। नाम था उनका मुरतज़ा हुसेन। उन्हें कुछ शक-सा हुआ वक़्त-बेवक़्त आते-जाते नौजवानों पर। उन्होंने इस बात का ज़िक्र किया अपने दामाद अहमद हुसेन से, जो सिटी स्टेशन के पास सराय आग़ामीर में एक किराये के मकान में सपरिवार रहते थे। आर.एस.पी. आई. का एक सक्रिय सदस्य के.डी. चौधरी अपने दल के साथ ग़द्दारी करके अहमद हुसेन का मुख़बिर बना था, और उन्हें पार्टी की ख़बरें देता रहता था। दो रोज़ पहले उसने बम फैक्ट्री का भी ज़िक्र किया था, लेकिन अहमद हुसेन को यक़ीन ही नहीं हुआ। किन्तु अब तो उसकी इत्तिला पर खुद उनके श्वसुर मुरतज़ा हुसेन ने असलियत की मोहर ठोक दी थी। वह फ़ौरन एक ताँगे पर सवार होकर जाँच-पड़ताल के लिए निकल पड़े। *- क्रमशः*

- धर्मेन्द्र गौड़ : साभार : क्रान्तिकारी आन्दोलन के अधखुले पन्ने

क्रान्तिकारी आन्दोलन के अधखुले पन्ने : वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। पुस्तक प्राप्त करने के लिए मो. नं. 9540040339 पर सम्पर्क करें।

सुख समृद्धि हेतु यज्ञ कराएं

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा की योजना 'घर-घर-यज्ञ, हर-घर-यज्ञ' राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में उत्साह पूर्वक नित्य निरंतर प्रगति की ओर है। वैदिक वाङ्मय में यज्ञ की विशेष महत्ता का वर्णन मिलता है। यज्ञ के द्वारा संसार के सभी ऐश्वर्य मानव को प्राप्त होते हैं। यजुर्वेद में कहा गया है कि 'अयं यज्ञो भुवनस्य नाभिः' अर्थात् यह यज्ञ संसार का केन्द्र बिन्दु है, अर्थात् विश्व का आधार है। शतपथ ब्राह्मण में कथन है कि 'स्वर्ग कामो यजेत्' अर्थात् हे मनुष्य यदि तू संसार के सुख प्राप्त करना चाहता है तो यज्ञ कर। आप भी अपने घर-परिवार में यज्ञ कराने के लिए सम्पर्क करें। यदि परमात्मा की व्यवस्थानुसार आपका परिजन/परिचित मृत्यु को प्राप्त होता है, उसके अन्तिम संस्कार की व्यवस्था हेतु भी आप सम्पर्क कर सकते हैं।*- सत्यप्रकाश आर्य 9650183335*

दिल्ली चलो! चलो दिल्ली!!! ओ३म् दिल्ली चलो!! चलो दिल्ली!!!

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन

25, 26, 27, 28 अक्टूबर 2018

सम्मेलन स्थल :- **स्वर्ण जयंती पार्क, रोहिणी, सैक्टर-10, दिल्ली-85**

विश्व शान्ति यज्ञ, योग व तपोनिष्ठ संन्यासियों, वैदिक विद्वानों द्वारा सत्संग तथा प्रवचन का लाभ उठाने हेतु लाखों की संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनायें।

सम्मेलन कार्यालय : दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-1 दूरभाष : 9540029044
E-mail : aryasabha@yahoo.com, Website : www.aryamahasammelan.org, www.thearyasamaj.org
YouTube : thearyasamaj 9540045898

व्यवस्थाएँ – सुविधाएँ एवं मुख्य आकर्षण

प्रमुख आकर्षण

मुख्य पंडाल : विश्वभर से पधारे विद्वानों, कार्यकर्ताओं, अधिकारियों एवं आमंत्रित अतिथियों द्वारा राष्ट्र व विश्व के समक्ष मौजूदा समस्याओं के वैदिक समाधान तथा आर्य समाज के विश्व व्यापी संगठन के वर्तमान कार्यों की जानकारी। साथ ही भविष्य के आर्य समाज के नए स्वरुप का प्रस्तुतिकरण।

अनुषंगी हॉल : मुख्य पंडाल के अतिरिक्त अनेक अलग-अलग हॉल में विभिन्न आयु/भाषा/रुचि वाले आगंतुकों हेतु अलग- अलग विषयों पर विशेष व्याख्यान, चर्चाएं, शंका समाधान, चलचित्र आदि के कार्यक्रम चलते रहेंगें।

आर्य प्रकाशक हॉल : वैदिक धर्म एवं आर्यसमाज से सम्बन्धित साहित्य प्रकाशित करने वाले विश्वभर के आर्य प्रकाशकों का विराट संगम यहां होगा जिसमें एक लेखक मंच भी होगा जहां नए-नए लेखक एवं प्रकाशक अपनी कृतियों का परिचय देंगे।

विचार टीवी मूवी हॉल : 100 से अधिक फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा।

सांस्कृतिक कार्यक्रम हॉल : आर्य समाज के इतिहास की सत्य घटनाओं का रोमांचक नाटिकाओं के माध्यम से प्रदर्शन।

विभिन्न भाषा हॉल : विश्व भर से पधारे विद्वानों द्वारा उनकी स्थानीय भाषाओं में प्रवचन।

भजनोपदेश हॉल : विश्व भर से पधारे भजनोपदेशकों द्वारा पूर्णकालिक भजन प्रस्तुति।

गुरुकुल हॉल : आर्ष गुरुकुलों की परम्परा एवं संस्कृति प्रदर्शित करते पूर्णकालिक हॉल।

शंका समाधान हॉल : सुयोग्य विद्वानों द्वारा आगंतुकों की शंका का समाधान करने हेतु पूर्णकालिक हॉल।

प्रतियोगिताएं : गुरुकुलों एवं आर्य विद्यालयों के विद्यार्थियों हेतु पूर्णकालिक प्रतियोगिता हॉल।

विश्व आर्य समाज हॉल : विभिन्न देशों से पधारे आर्य जनों द्वारा उनके देशों में चल रही आर्य समाज की गतिविधियों को जानने का स्वर्णिम अवसर।

पर्यावरण एवं यज्ञ विज्ञान हॉल: पर्यावरण एवं यज्ञ के परस्पर वैज्ञानिक सम्बन्ध को दर्शाने हेतु विशेष हॉल।

गौशाला : एक आदर्श वैदिक परम्परा के नगर की संकल्पना जिसमें दुधारु गऊओं की गौशाला होगी।

यज्ञशाला : भव्य, सुन्दर, आदर्श शिल्प का नमूना, जिसे देखकर मन रोमांच से भर जाए।

लघु गुरुकुल : प्राचीन काल के गुरुकुल के सुन्दर दृश्य की जीवंत झांकी।

पूर्णकालिक यज्ञ : मुख्य यज्ञशाला के अतिरिक्त एक ऐसी यज्ञशाला भी होगी जहां निरन्तर यज्ञ होता रहेगा। आगन्तुक जब चाहें तब जाकर अपने परिवारधमित्रों के साथ यज्ञ कर सकते हैं। महासम्मेलन की वेबसाईट पर अपनी सुविधानुसार समय पर स्थान आरक्षित करवाएं।

ध्यान-योग : प्रतिदिन प्रातः खुले मैदान में योग साधना, प्राणायाम एवं ध्यान की क्रियाओं का प्रशिक्षण। इसके उपरान्त ध्यान एवं योग साधना कक्षों में समय-समय पर विभिन्न विद्वानों द्वारा चर्चाएं एवं साधनाएं।

सामूहिक यज्ञ प्रदर्शन : इस बार विशेष रूष से विश्व इतिहास में पहली बार 10 हजार बच्चों, युवाओं एवं आर्यजनों द्वारा एक साथ सामूहिक रूप से एक रूपीय यज्ञ प्रदर्शन कार्यक्रम करने का प्रयास होगा।

आर्य वीर दल शाखा : प्रतिदिन प्रातःकाल आर्य समाज की युवाशक्ति का नयनाभिराम दर्शन।

भव्य व्यायाम कला प्रदर्शन : देश के विभिन्न राज्यों से आर्य वीर दल एवं आर्य वीरांगना दल के चयनित आर्य वीरोंध आर्य वीरांगनाओं द्वारा अद्भुत, अदम्य साहस से परिपूर्ण कलाओं का प्रदर्शन। व्यायाम, भाला, तलवारबाजी, लाठी, नानचक, जुडो, कराटे, आत्म रक्षा तकनीकों आदि का प्रदर्शन।

नुक्कड़ नाटक : समसामयिक विषयों को पर समाज में जागरूकता लाने हेतु खुले मंच पर नुक्कड़ नाटकों का मंचन।

अन्धविश्वास निवारण हॉल : योग्य जादूगर द्वारा चमत्कारों का भंडाफोड़।

विश्वमार्यम हॉल : सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आर्य समाज की कार्य एवं गतिविधियों की जानकारी देने हेतु विशेष हॉल।

वैवाहिक परिचय सम्मेलन : महासम्मेलन में एक दिन समस्त आर्यजगत के लिए आर्य परिवारों के विवाह योग्य युवक-युवतियों का वैवाहिक परिचय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। आप भी अपने विवाह योग्य बच्चों का पंजीकरण वेबसाइट पर कराएं। www.matrimony.thearyasamaj.org

प्रदर्शनी : आर्यसमाज के इतिहास एवं सिद्धान्तों, संगठन, कर्तव्यों, घटनाओं का प्रदर्शन चित्र दीर्घा के माध्यम से होगा।

लेजर शो : महासम्मेलन के एक दिन सायंकाल महर्षि दयानन्द, आर्यसमाज, इतिहास, वर्तमान, भविष्य की संकल्पना लिए एक अद्भुत प्रेरक कार्यक्रम जो चमकेगा सितारों के बीच आकाशवाणी की तरह।

सुन्दर सजावट : पूरे महासम्मेलन स्थल के विभिन्न स्थानों पर भिन्न-भिन्न प्रकार की सुन्दर यादगार रखने लायक सजावट की जाएगी।

विभिन्न सांस्कृतिक विरासतों का प्रदर्शन : महासम्मेलन के अवसर पर विभिन्न आदिवासी क्षेत्रों से पधारे आर्य कार्यकर्ताओं द्वारा विभिन्न क्षेत्रीय सांस्कृतिक विरासतों का दर्शनीय प्रदर्शन।

साहित्य बाजार : विश्वभर के वैदिक साहित्य के प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित वैदिक साहित्य तथा प्रचार सामग्री के क्रय की सुविधा रहेगी। पुस्तकों पर 10% की अनिवार्य छूट दी जाएगी।

रिकॉर्डिंग स्टूडियो : विश्व के कोने कोने से पधारे विद्वानों, भजनोपदेशकों एवं कार्यकर्ताओं के विडियो रिकॉर्ड करने की महासम्मेलन स्थल पर ऑडियो – वीडियो रिकॉर्डिंग स्टूडियो।

स्मारिका : एक भव्य स्मारिका का प्रकाशन किया जाएगा जिसमें सुन्दर, प्रेरणास्पद लेख, कविताएं एवं रचनाओं के साथ-साथ विभिन्न आर्य संस्थाओं, सहयोगी संगठनों, शुभचिन्तकों के आशीर्वाद, शुभकामना सन्देश भी प्रकाशित किए जाएंगे। यदि आप अपने परिवारी जनों, प्रियजनों की स्मृति में सन्देश प्रकाशित कराना चाहें तो करा सकते हैं। अपेक्षित शुल्क राशि देय होगी।

सुविधाएँ एवं व्यवस्थाएँ

पंजीकरण : अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महा सम्मेलन में भाग लेने के लिए पधारने वाले समस्त आर्यजनों को महासम्मेलन में व्यवस्था एवं सुरक्षा की दृष्टि से पंजीकरण करवाना अनिवार्य है। महासम्मेलन स्थल के मुख्य द्वार पर ही प्रत्येक आगंतुक को प्रवेशध्पहचान पत्र जारी किया जाएगा। वेबसाईट पर अग्रिम पंजीकरण करवाकर आने वाले आगंतुकों की पंजीकरण प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण हो जाएगी।

आवास : पधारने वाले समस्त आर्यजनों के आवास की निःशुल्क व्यवस्था प्रान्त के अनुसार धर्मशालाओं, विद्यालयों, आर्य समाजों एवं महासम्मेलन स्थल पर बनाए गए टैंटों के विभिन्न ब्लॉकों में होगी। होटल एवं महासम्मेलन स्थल पर सशुल्क आवास में ठहरने की सुविधा महासम्मेलन से पूर्व अग्रिम राशि जमा कराने पर उपलब्ध होगी। इस सुविधा हेतु फार्म महासम्मेलन वेबसाईट पर उपलब्ध है। वेबसाईट पर भी होटल ऑनलाईन बुक किया जा सकता है।

भोजन : महासम्मेलन स्थल पर 24 से 28 अक्टूबर तक चौबीसों घण्टे भोजन की निःशुल्क व्यवस्था रहेगी।

परिवहन : दिल्ली के प्रमुख रेलवे स्टेशनों तथा बस अड्डों से महासम्मेलन स्थल पर पहुंचाने तथा महासम्मेलन के अन्तिम दिन महासम्मेलन स्थल से रेलवे स्टेशनों- नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली, निजामुद्दीन, आनन्द विहार, सराय रोहिल्ला बस अड्डों- कश्मीरी गेट, आनन्द विहार, सराय काले खां आदि स्थानों के लिए बसों की निःशुल्क व्यवस्था रहेगी।

भ्रमण : महासम्मेलन के अन्तिम दिन तथा उससे अगले दिन दिल्ली भ्रमण तथा विशेषकर उत्तर भारत के पर्यटन स्थलों के भ्रमणार्थ बसों की व्यवस्था अपेक्षित शुल्क पर उपलब्ध रहेगी।

महासम्मेलन बैंक : सुरक्षा की दृष्टि से महासम्मेलन स्थल पर बैंक लॉकर की व्यवस्था रहेगी। आप अपनी नकदी एवं कीमती सामान जमा कर सकेंगे।

एटीएम : चल एटीएम की सुविधा रहेगी। आवश्यकता होने पर पैसे निकाल सकेंगे।

कैन्टीन : महासम्मेलन में निशुल्क भोजन के अतिरिक्त कैन्टीन भी होगी जहां पर आगंतुक अपनी इच्छा एवं स्वादानुसार सःशुल्क चाय, नाश्ता, स्नैक्स, लंच, डिनर आदि का आनन्द ले सकेगें।

स्नानागार व शौचालय : आगंतुकों के लिए स्नानागार एवं शौचालय की निःशुल्क एवं सशुल्क दोनों व्यवस्थाएं उपलब्ध रहेगी।

स्वच्छ पेयजल : पेय जल की निःशुल्क व्यवस्था के साथ जल एटीएम, बोतलें एवं गिलास की सशुल्क सुविधा (न्यूनतम मूल्यों पर) उपलब्ध रहेगी।

चिकित्सा सुविधा : महासम्मेलन स्थल पर प्राथमिक चिकित्सा एवं आपातकालीन व्यवस्था उपलब्ध रहेगी। 24 घण्टे एम्बूलेंस की व्यवस्था भी रहेगी।

स्वास्थ्य जांच : सब सन्यासियों, विद्वानों एवं कार्यकर्ताओं की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच।

अमानती सामान घर : आर्यजनों को अपना अतिरिक्त सामान अपने साथ-साथ लिए न घूमना पड़े इस हेतु महासम्मेलन स्थल पर ही अमानती सामान घर की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

खोया-पाया विभाग : महासम्मेलन स्थल पर कोई सामान आपको पड़ा मिले तो उसे खोया-पाया विभाग में जमा करा कर आर्यत्व का परिचय देवें, जिससे वह सामान उचित व्यक्ति को प्राप्त हो सके।

स्मृति चित्र : अपना स्मृति फोटो खिंचवा कर उसे फोटो फ्रेम के साथ सशुल्क प्राप्त करें।

चार्जिंग स्टेशन : आर्यजनों की सुविधार्थ मोबाईल एवं लैपटॉप चार्ज करने के लिए निःशुल्क तथा सशुल्क सुविधा उपलब्ध होगी।

मोबाईल रिचार्ज : महासम्मेलन स्थल पर सभी मोबाइल कम्पनियों के मोबाइल रिचार्ज की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

सी.सी.टी.वी. : सुरक्षा व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए सम्पूर्ण महासम्मेलन स्थल तथा आस-पास की गतिविधियों को रिकार्ड करने के लिए सी.सी.टी.वी. कैमरों की व्यवस्था की गई है।

साइबर कैफे : आगंतुकों के प्रयोगार्थ साइबर कैफे एवं फोटोकापी की सशुल्क सुविधा उपलब्ध रहेगी।

सीधा प्रसारण : अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महा सम्मेलन के उद्घाटन, समापन, आर्य वीर दल प्रदर्शन तथा सभी प्रमुख आयोजनों का विभिन्न टीवी चौनलों, महासम्मेलन वेबसाइट एवं सोशल मीडिया पर सीधा प्रसारण किया जाएगा।

रेलवे छूट : रेल मार्ग द्वारा भारत के विभिन्न राज्यों से पधारने वाले आर्य महानुभावों के लिए भारतीय रेल द्वारा रेलभाड़े में 50% की छूट दी जाएगी। यह छूट केवल शयनयान (स्लीपर) श्रेणी के यात्रियों को उपलब्ध होगी।

व्हील चेयर : व्हील चेयर केवल धरोहर राशि पर उपलब्ध रहेगी।

बच्चों सम्बन्धी सुविधाएं : छोटे बच्चों की हाथ गाड़ी (pram) केवल धरोहर राशि पर उपलब्ध रहेगी।

मातृ सुविधा गृह : 3 वर्ष तक के बालक के साथ माता के विश्राम तथा शिशु पालन सम्बन्धी सुविधाओं के साथ निःशुल्क हाल की व्यवस्था होगी।

बच्चों का कोना : 6 से 12 वर्ष तक के बच्चों के मनोरंजन, खेलकूद, फिल्म दिखाने की पूरी सुविधा होगी।

महासम्मेलन स्मृति चिन्हों की नीलामी : महासम्मेलन समापन के पश्चात् महासम्मेलन में सज्जा हेतु बनवाई गई सुंदर वस्तुओं को स्मृति चिन्ह के रुप में घर ले जाने हेतु उनकी नीलामी की जायेगी। नीलामी हेतु वस्तुओं की सूची फोटो सहित वेबसाइट पर 24 अक्तूबर 2018 से उपलब्ध रहेगी।

विशाल आर्य वीर दल सेवा शिविर : महासम्मेलन में विभिन्न व्यवस्था कार्यों को सम्भालने वाले हजारों आर्य वीरों एवं आर्य वीरांगनाओं हेतु महासम्मेलन परिसर में विशाल आर्य वीर दल सेवा शिविर आयोजित किया जायेगा।

संन्यास एवं वानप्रस्थ दीक्षा : संन्यास एवं वानप्रस्थ आश्रम की दीक्षा प्रदान करने के लिए महासम्मेलन में विशेष सुविधा रहेगी।

वैदिक संस्कार : महासम्मेलन स्थल पर विशेष यज्ञ शाला में विभिन्न वैदिक संस्कार कराने हेतु सुंदर व्यवस्था रहेगी।

सोशल मीडिया कार्य प्रशिक्षण : महासम्मेलन में सोशल मीडिया पर कार्य करने हेतु विशेष प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की जाएगी।

यज्ञ प्रशिक्षण कक्षा : यज्ञ करने की सही विधि का प्रशिक्षण देने हेतु विशेष कक्षाओं का आयोजन किया जायेगा।

प्रतिनिधित्व : भारत के लगभग सभी राज्यों के साथ-साथ विश्व के लगभग 32 देशों के आर्यजनों का इस महासम्मेलन में प्रतिनिधित्व होने का अनुमान है।

विशेष निवेदन

महासम्मेलन में पधारने वाले समस्त आर्य बन्धुओं से निवेदन है कि अपने पधारने की पूर्व सूचना (आवास, भोजन एवं परिवहन की व्यवस्था में सुविधा की दृष्टि से) यथाशीघ्र अवश्य भेजें ताकि तदनुरुप व्यवस्थाएं बनाई जा सकें। महासम्मेलन सम्बन्धी विस्तृत जानकारियाँ एवं अग्रिम पंजीकरण की सुविधा महासम्मेलन की वेबसाइट www.aryamahasammelan.org पर उपलब्ध है।

हमारा प्रयास है कि हम समस्त श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा एवं वातारण दे पायें जिससे कि वे सब तरफ से ध्यान हटाकर महासम्मेलन में विद्वान वक्ताओं द्वारा दिए जाने वाले उद्बोधनों का ध्यानपूर्व श्रवण-मनन करके अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर उसकी भावना, उन्हीं विचारों को प्रतिपादित कर सकें।

इस महासम्मेलन का उद्देश्य आर्यसमाज के संगठन को शक्तिशाली बनाना सभी आर्यजनों को अपने कार्यकर्ताओं के प्रति जागृत करना तथा वर्तमान सभी ज्वलन्त समस्याओं पर आर्यसमाज की महत्वपूर्ण भूमिका का निर्धारण करना है जिसमें आप सभी की सक्रिय सहभागिता अपेक्षित है।

आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि महासम्मेलन को व्यवस्थित, सुन्दर एवं सफल बनाने में हमें आपका पूर्ण सहयोग, सद्भाव अवश्य ही प्राप्त होगा, जिससे हम और आप मिलकर इस महासम्मेलन को एक यादगार, प्रेरक एवं उर्जावान स्मृति बना सकेंगे।

सुविधा की दृष्टि से आगन्तुक आर्य बन्धु (ग्रुप) में अपना विवरण पहले भेज देंगे तो उन्हें पहचान पत्र तैयार मिल जाएंगे।

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन की व्यवस्थाओं में आपका आर्थिक सहयोग सादर अपेक्षित है। कृपया अपनी सहयोग राशि का चैक/बैंक ड्राफ्ट **"दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा - महासम्मेलन-2018"** के नाम बनाकर **"संयोजक, अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महा सम्मेलन, आर्यसमाज, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001"** के पते पर भेजें। महासम्मेलन सहयोग हेतु दिया गया दान आयकर अधिनियम की धारा 80जी के अन्तर्गत आयकर छूट प्राप्त है।

भवदीय

(सुरेशचन्द्र आर्य)
प्रधान, सार्वदेशिक सभा

(महाशय धर्मपाल)
अध्यक्ष, स्वागत समिति

(प्रकाश आर्य)
मन्त्री, सार्वदेशिक सभा (09826655117)

(धर्मपाल आर्य)
महासम्मेलन संयोजक (9810061763)

समस्त सुधी पाठकों, आर्यजनों, आर्यसमाज, आर्यसंस्थाओं, आर्य शिक्षण संस्थाओं, गुरुकुलों तथा प्रान्तीय आर्य प्रतिनिधि सभाओं के समस्त अधिकारियों, सदस्यों, आचार्यों एवं विद्यार्थियों से निवेदन है कि अपने मोबाइल कैमरे से इस पृष्ठ की फोटो खींचकर विभिन्न माध्यमों व्हाट्एप्प, टेलिग्राम, ट्वीटर, फेसबुक आदि माध्यमों से जन-साधारण में प्रचारित-प्रसारित करके अधिकाधिक संख्या में अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली के अवसर पर पहुंचकर संगठन शक्ति का परिचय एवं विभिन्न वैदिक विद्वानों, संन्यासीवृन्दों एवं भजनोपदेशकों के भजन-प्रवचन एवं आशीर्वाद का लाभ प्राप्त करने के लिए प्रेरित करें। – *संयोजक*

Veda Prarthana - II Regveda - 11

Women are Greatest in the Society Because They Create its Virtuous Values

अधः पश्यस्व मोपरि संतरां पादकौ हर। मा ते कशप्लकौ दृशन्! स्त्री हि ब्रह्मा बभूविथ।।

ऋग्वेद 8/33/99

Adhah pashyasva mopari santaram padakau hara. Ma te kashaplakau drashan stri hi brahma babhuvith.

(Rig Veda 8:33:99)

This Veda mantra honors women by stating that they are greatest/highest in the society and guides them into becoming even better by refraining from non-virtuous practices in their lives. The first guidance it gives is that women should use their eyes to see what is virtuous and needful and not wander them excessively looking for transient excitements or for flirting with others. The second guidance of the Veda mantra is that women should walk carefully and modestly, and not swing their hips and display legs ecessively. The third guidance it gives is that women should properly cover their breasts, buttocks and private parts, and not expose or display them to others. Why should women follow these three directions? The Veda mantra answers that by stating women are considerred brahm i.e. greatest/highest in the society because they are the creator of a virtuous society and its moral and social values.

When one desires to have high quality crops one sows high quality seeds, because if one sows seeds of poor quality, limited potency, afflicted with disease or other deficiencies, then in return one cannot expect high quality crops or yields. Similarly, if a woman is thoughtful, principled, disciplined, modest in her behavior, hard working, generous, and full of virtuous character, only then can she expect to have children with similar virtuous qualities.

The main reason we see children and young adults who are ill behaved, lazy, callous, undisciplined, primarily self-centered, full of lust and rage in our current society is the very poor quality of upbringing by their mothers. To make a good mother it takes more than merely giving birth, feeding and clothing children. A mother becomes a good mother only when she raises children who as they grow up have good moral character with virtuous values, have deep abiding faith in God, and who are generous and willing to help others in need. This success, however, only happens when a mother herself is full of virtuous values as stated in the paragraph above.

In the present day secular societies one often observes incidents where young women are being teased, called vulgar names, groped, raped and ill treated in other ways. There are many reasons for such incidents but the main cause is perpetrator's (usually men) poor upbringing as children, being sociopathic or having deviant character. In some incidents, however, the victim women may also partially contribute to provoking the bad response. If women dressed and behaved modestly: wore decent clothes instead of tight or flimsy clothes partly displaying their breasts, hips or buttocks; did not flirt with others especially men; overall it will prevent and discourage men, who are undisciplined or have weak will power, from getting aroused and carrying out their unwanted or illegal mental desires and fantasies on women. On the other hand when women go to public places scantly clothed, wear clothes with inscriptions of erotic words or motifs; decorate themsalves with bright cosmetics, jewelry or tattoos; stand or walk around in erotic poses; flirt with strangers, then they are more likely to become victims of assault. The perpetrator men are more likely to lose their head during such provoking circumstances and then once sexually aroused get the courage to physically carry out their erotic desires or fantasies even though such actions are unwanted on part of the concerned women. In those societies where casual sex and lose character is directly or indirectly promoted by the media and public figures, people in such societies gradually lose high ideals, enthusiasm for virtue, courage, bravery, and social discipline. Losing these traditions slowly lead to the society's downfall.

- Acharya Gyaneshwarya

To Be Continue....

सार्वदेशिक आर्यवीर दल का राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर

दिनांक : 4 से 17 जून 2018, स्थान गुरुकुल इन्द्रप्रस्थ, फरीदाबाद

समापन : रविवार 17 जून, 2018

सार्वदेशिक आर्य वीर दल का राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह रविवार 17 जून, 2018 को आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर आर्यजन अधिकाधिक संख्या में पधारकर आर्य वीरों का अपना आशीर्वाद प्रदान करें।

- डॉ. स्वामी देवव्रत सरस्वती, प्रधान सेनापति

आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश के तत्त्वावधान में 500 आर्यवीरों का

चरित्र निर्माण एवं आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर

दिनांक : 15 से 24 जून 2018, स्थान गुरुकुल इन्द्रप्रस्थ, फरीदाबाद

उद्घाटन : रविवार 17 जून   दीक्षान्त : रविवार 24 जून, 2018

आर्यजन अपने बच्चों को शिविर में भाग लेने हेतु अवश्य भेजें तथा दोनों समारोहों उद्घाटन एवं समापन के अवसर पर अधिकाधिक संख्या में पधारकर आर्य वीरों को अपना आशीर्वाद प्रदान करें। ***- जगबीर आर्य, संचालक, 9810264634***

आओ ! संस्कृत सीखें

अनुवाद (55)

गतांक से आगे....

स्यूत: कुत्र अस्ति?

= थैला(झोला) कहाँ है?

विपणिं गच्छामि। = बाजार जा रहा हूँ।

कानिचित् शाकानि क्रीणान् आगमिष्यामि।

= कुछ सब्जियाँ खरीदते हुए आऊँगा।

परह्यः ह्यः चापि वस्तूनि आनयम्।

= कल और परसों भी सामान लाया था।

परन्तु स्यूत: प्रत्यददात् नैव।

= लेकिन झोला वापस न दिया।

मम पार्श्वे स्यूतापण: नास्ति।

= मेरे पास थैले की दुकान नहीं है।

यत् अहं नित्यं नूतने स्यूते शाकानि वस्तूनि च आनयिष्यामि। = जो मैं रोज नये थैले में सब्जियाँ और सामान लाऊँगा।

अधुना यदि ददातु स्यूतं तर्हि शाकानि आनयिष्यामि। = अब यदि दीजिये थैला तो सब्जियाँ लेते आऊँगा।

न तु अनन्तर मा वदतु यत् शाकानि न आनयत्। = नहीं तो बाद में न बोलियेगा कि सब्जियाँ नहीं लाये।

संस्कृत वाक्य अभ्यास:

मम अङ्गणे एकं दर्दुरं पश्यामि

मेरे आँगन में एक मेढक को देखता हूँ।

स: इतस्तत: कूर्दति

वह यहाँ-वहाँ कूदता रहता है।

अधुना वर्षा अवश्यमेव भविष्यति

अब वर्षा अवश्य होगी।

चटका: मृत्तिकायां स्नानं कुर्वन्ति

चिड़ियाएँ मिट्टी में नहाती हैं।

-आचार्य सन्दीप कुमार उपाध्याय,

मो. 9899875130

सत्यार्थ प्रकाश शिविर गुरुकुल पौंधा देहरादून में सम्पन्न

मनुष्य का जीवन सत्य का निर्णय करने व कराने के लिए है - डॉ. सोमदेव

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के द्वारा गुरुकुल पौंधा के तत्त्वावधान में कई वर्षो से आध्यात्मिक शिविर का आयोजन किया जाता रहा है इस वर्ष भी 28 मई 2018 से 3 जून 2018 तक सत्यार्थ प्रकाश अध्यन शिविर का आयोजन किया गया, इस शिविर में लगभग 67 आर्यो ने भाग लिया जिसमें महिलाएं और बच्चे विशेष रूप से सम्मिलित हुए। , सत्यार्थ प्रकाश की कक्षा 28 जून को आचार्य धर्मपाल जी बड़ौत ने ली , जिसमें आचार्य श्री जी ने सत्यार्थ प्रकाश के सभी 14 समुलास के विषय में सविस्तार बताया कि कौन सा समुल्लास किस विषय पर महर्षि दयानंद सरस्वती जी द्वारा लिखा गया और 11वें समुल्लास की अनुभूमिका को विस्तार से पढ़वाकर समझाया, 29 जून से डॉ. सोमदेव शास्त्री मुम्बई ने 11वें समुल्लास को पढ़वाना आरम्भ किया और एक-एक शब्द के विषय में विस्तार से समझाया कि किस प्रकार वाममार्गी अपने मत को मानने वाले थे। डॉ. सोमदेव शास्त्री जी का मधुर स्वभाव व विषय पर बोलने की शैली बहुत ही अच्छी थी, गुरुकुल पौंधा देहरादून में ब्रह्मचारियों ने शिविरार्थियों के रहने की, भोजन की बहुत ही सुन्दर व्यवस्था की हुई थी इसके लिए दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा आचार्य डॉ. धनन्जय जी का व स्वामी प्रणवानन्द सरस्वती जी का बहुत-बहुत आभार व धन्यवाद करती हैं। ***- एस पी सिंह, शिविर संयोजक***

प्रेरक प्रसंग

तो भेड़ क्या जलेबियाँ खाती हैं?

श्री महाशय चिरंजीलालजी 'प्रेम' ने 1948 ई. में लेखराम बलिदान पर्व पर बोलते हुए लेखरामनगर (कादियाँ) में एक संस्मरण सुनाया।

एक बार महाशयजी मौलवी सना-उल्लाजी से शास्त्रार्थ कर रहे थे। विषय था 'मांस भक्षण'। महाशयजी ने मौलवीजी से कहा यदि मांस इतना ही गुणकारी व लाभप्रद है तो आप मुसलमान सुअर का मांस क्यों नहीं खाते? यह वर्जित क्यों है?

मौलवीजी ने झट रटा-रटाया रेडीमेड (तैयार) उत्तर दिया, "अजी! आप देखते नहीं कैसा गन्दा पशु है। गन्दगी खाता है।"

इस पर महाशयजी अपने विशिष्ट ढंग से बोले, "तो भेड़ क्या जलेबियाँ खाती हैं?"

- प्रा. राजेन्द्र जिज्ञासु

साभार :

तड़पवाले, तड़पाती जिनकी कहानी

तड़पवाले, तड़पाती जिनकी कहानी : पुस्तक वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। पुस्तक प्राप्ति हेतु आज ही अपना आदेश मो. नं. 9540040339 पर प्रेषित करें।

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन -2018 दिल्ली

25-26-27-28 अक्टूबर, 2018 तदनुसार कार्तिक कृष्ण १, २, ३, ४ विक्रमी सं० २०७५

महासम्मेलन प्रचार के लिए प्रान्तीय स्तर पर बैठकों का दौर जारी

आर्य प्रतिनिधि सभा हरयाणा, रोहतक

आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के पं. जगदेव सिंह सिद्धांती भवन दयानन्द मठ रोहतक के प्रांगण में सार्वदेशिक आर्यवीर दल शिविर उद्घाटन समारोह में उपस्थित मुख्य अतिथि हिमांचल के राज्यपाल महामहिम आचार्य देवव्रत जी एवं हरियाणा के मंत्री श्री मनीष ग्रोवर एवं सार्वदेशिक आर्यवीर दल के प्रधान संचालक स्वामी देवव्रत जी हरियाणा आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान मा. रामपाल जी एवं मंत्री श्री उम्मेद शर्मा जी एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महामंत्री श्री विनय आर्य जी। श्री विनय आर्य जी ने हजारों के अपार जन समूह को अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 2018 में भाग लेने के लिए आहवान किया।

आर्य वीर दल जींद (हरयाणा)

जींद हरियाणा में शिविर के दौरान आर्य महासम्मेलन दिल्ली के लिए आह्वान करते महामंत्री श्री विनय आर्य जी, आचार्य सर्वमित्र जी मंच पर उपस्थित महाशय धर्मपाल जी चेयरमैन एम.डी.एच. आर्य जनों का उत्साहवर्धन करते हुए।

भरुआ सुमेरपुर जिला हमीरपुर (उ.प्र.)

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली-2018 की तैयारियों के तहत मध्य उत्तर प्रदेश के आर्य वीरदल शिविर भरुआ सुमेरपुर जिला हमीरपुर के अवसर पर आर्य महासम्मेलन की आमंत्रण बैठक में आर्य समाज के अधिकारी और दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महामंत्री श्री विनय आर्य, श्री ओम प्रकाश आर्य बस्ती, स्वामी देवव्रत जी एवं अन्य आर्यजन।

सांसद एवं वैदिक विद्वान स्वामी सुमेधानन्द जी सरस्वती जी से चर्चा

स्वामी सुमेधानद जी से आर्य महासम्मेलन-2018 की तैयारियों के विषय में चर्चा करते हुए सम्मेलन संयोजक एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री धर्मपाल आर्य जी एवं महामंत्री श्री विनय आर्य जी।

महासम्मेलन के अवसर पर होगा भव्य स्मारिका का प्रकाशन विज्ञापन, संस्था/आर्यसमाज/ पारिवारिक परिचय दें

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन -2018 दिल्ली के अवसर पर भव्य स्मारिका का प्रकाशन किया जाएगा। यदि आप अपना कोई विज्ञापन, अपनी संस्था/आर्यसमाज/अपने परिवार के सम्बन्ध में सामग्री प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो आप विज्ञापन के रूप में अपने पारिवारिक पृष्ठभूमि और कार्य का परिचय दे सकते हैं। इसके लिए **संयोजक, स्मारिका, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001** को पत्र लिखें अथवा aryasabha@yahoo.com पर ईमेल करके सम्पर्क करें। - ***संयोजक***

अन्तरराष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन- दिल्ली : 25-28 अक्तूबर, 2018

सहयोगी युवा आर्य कार्यकर्ताओं का स्वागत है

इस बार के आर्य महासम्मेलन का एक उद्देश्य आर्य समाज में युवाओं की भागीदारी को बढ़ाने को लेकर भी है। जो युवा इस महासम्मेलन में अपना सहयोग देना चाहते हैं, उनको हम सादर आमन्त्रित करते हैं। इतने विशाल सम्मेलन की व्यवस्था को सुव्यस्थित बनाए रखना युवाओं के बिना सम्भव नहीं है। अत: जो युवा आर्य कार्यकर्तागण सम्मेलन की व्यवस्थाओं में सहयोग करने के इच्छुक हों और 23 अक्तूबर से 30 अक्तूबर तक सेवा देना चाहते हों वे अपनी आर्यसमाज/प्रान्तीय आर्य प्रतिनिधि सभा के माध्यम से अपने नाम, पता एवं मोबाइल नं. सहित सम्पूर्ण विवरण **'महासम्मेलन संयोजक'** के नाम सम्मेलन कार्यालय : आर्यसमाज, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001 के पते पर भिजवाने का कष्ट करें। - ***संयोजक***

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018, दिल्ली

भाग लेने के लिए अभी से रेलवे आरक्षण कराएं

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018 दिल्ली में भाग लेने हेतु दिल्ली आने वाले सभी आर्य महानुभाव अविलम्ब अपना रेल आरक्षण जिस भी रेल में मिले करा लें। ऐसा न हो कि देर होने के कारण आप को टिकट ही न मिले और आप महासम्मेलन में भाग लेने से वंचित हो जाएँ। 60 वर्ष से अधिक आयु के पुरुषों एवं 58 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को रेलवे में छूट का प्रावधान है, जिसके छूट का लाभ लेते हुए अभी से आरक्षण करा लेना चाहिए। आशा है जन-साधारण के लिए रेलवे किराया भाड़ा छूट प्रमाण पत्र शीघ्र ही प्राप्त होगा। - ***संयोजक***

आर्यजन महासम्मेलन में अपनी समाज की बैच लगाकर आएँ

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में आने वाले सभी आर्यजन भाई-बहन अपनी पहचान के लिए अपनी आर्य समाज का सुन्दर बैच लगाकर आएँ। बैच में अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन का लोगो, महर्षि दयानन्द का सुन्दर चित्र, अपने आर्य समाज का नाम, अपना नाम व पता अवश्य अंकित करें। इससे आप की पहचान जहाँ आप के आर्य समाज और जनपद के साथ बनी रहेगी वहीं पर आम जनता में भी आर्य समाज और इस महासम्मेलन की चर्चा हो जाएगी। सम्मेलन का लोगो अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन की वैबसाइट www.aryamahasammelan.org अथवा दिल्ली सभा की वैबसाइट www.thearyasamaj.org से डाउनलोड किया जा सकता है।

साप्ताहिक आर्य सन्देश

सोमवार 4 जून, 2018 से रविवार 10 जून, 2018

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15–हनुमान् रोड, नई दिल्ली–110001

दिल्ली पोस्टल रजि.नं0 डी.एल.(एन.डी.)–11/6071/2018–19–2020

नई दिल्ली पी.एस.ओ. में पोस्ट करने का दिनांक 07–08 जून, 2018

पूर्व भुगतान किए बिना भेजने का लाइसेन्स नं. यू. (सी.) 139/2018–19–2020

आर. एन. नं. 32387/77 प्रकाशन तिथि: बुधवार 6 जून, 2018

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन – 2018 दिल्ली

25–26–27–28 अक्टूबर, 2018 को

ऐतिहासिक, भव्य, सफल एवं उपयोगी बनाने हेतु

सुझाव आमन्त्रित

समस्त सुधी पाठकों, वैदिक विद्वानों, लेखकों, चिन्तकों, आर्यसमाज के हितैषि महानुभावों से अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन को सफल और उपयोगी बनाने के लिए उनके अनुभवों के आधार पर सुझाव आमन्त्रित किए जाते हैं। आपने वर्ष 2006 के उपरान्त तथा इससे भी पूर्व में आयोजित महासम्मेलनों में भाग लिया है। इन सम्मेलनों में आपको कुछ व्यवस्थाएं अच्छी लगी होंगी तथा कुछ में सुधार की अपेक्षा भी की होगी।

अतः आपसे निवेदन है कि इस अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन को सफल, ऐतिहसिक, अविस्मरणीय और भव्य बनाने के लिए कृपया अपने सुझाव निम्न पते पर भेजें। आप चाहें तो ईमेल भी कर सकते हैं–

प्रतिष्ठा में,

संयोजक
अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन
15, हनुमान रोड, नई दिल्ली—110001,
दूरभाष : 09540029044
Email:aryasabha@yahoo.com;
Web:www.aryamahasammelan.org;
www.thearyasamaj.org

कॉलर ट्यून से करें अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन का आह्वान

आर्यमहासम्मेलन गीत 'हम आर्य उद्घोष करें' को अपने मोबाइल की कॉलर/रिंग टोन बनाएं।

अपने मोबाईल में सम्मेलन गीत की ट्यून सैट करने हेतु दिए गए कोड को मैसेज करें अथवा निम्न लिंक पर क्लिक करें–
http://mobilemanoranjan.com/Hindi/Album/Arya-Udghosh

Airtel	DIAL 5432116538214	Idea	DIAL 5678910497215
Reliance	SMS CT 10497215 to 51234	BSNL E & S	SMS BT 10497215 to 56700
BSNL N & W	SMS BT 7104896 to 56700	Aircel	SMS DT 7104896 to 53000
Vodafone	SMS CT 10497215 to 56789	MTNL	SMS PT 10497215 to 56789
TATA	SMS CT 10497215 to 543211		

समर्पण शोध संस्थान के तत्त्वावधान में एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के सहयोग से

स्वामी दीक्षानन्द सरस्वती जी जन्म शताब्दी समारोह

दिनांक : 10 जून 2018 (रविवार)
समय : दोपहर 3 बजे से सायं 7 बजे
स्थान : मावलंकर हॉल, रफी मार्ग, नई दिल्ली

आर्यजगत् के सुप्रसिद्ध वैदिक विद्वान, आर्य संन्यासी, अनेक ग्रन्थों के रचियता स्वामी दीक्षानन्द जी सरस्वती के 100वें जन्मदिवस पर समर्पण शोध संस्थान के तत्त्वावधान में एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के सहयोग से जन्म शताब्दी समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस समारोह में आर्य जगत के गणमान्य साधु-संन्यासी, राजनेता, आर्य समाजों के पदाधिकारीगण पधारकर स्वामी दीक्षानन्द सरस्वती जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा के साथ उनके पुण्य कार्यों का स्मरण करेंगे।

आर्यजन अधिक से अधिक संख्या में पधारकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएं एवं स्वामी दीक्षानन्द जी के कार्यों के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट करें।

निवेदक

धर्मपाल आर्य – प्रधान
विनय आर्य – महामन्त्री
विद्यामित्र ठुकराल – कोषाध्यक्ष
दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली

श्रद्धानन्द शर्मा – अध्यक्ष
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद भटनागर – महासचिव
समर्पण शोध संस्थान, साहिबाबाद

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के लिए मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक श्री धर्मपाल आर्य द्वारा हरिहर प्रैस, ए-29/2, नरायणा औद्यो. क्षेत्र-1, नई दिल्ली-28 से मुद्रित एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान रोड, नई दिल्ली-1; फोन : 23360150; 23365959; E-mail : aryasabha@yahoo.com; Web : www.thearyasamaj.org से प्रकाशित

सम्पादक : धर्मपाल आर्य सह सम्पादक : विनय आर्य व्यवस्थापक : शिवकुमार मदान सह व्यवस्थापक : आर्य डॉ० ओमप्रकाश भटनागर, एस. पी. सिंह